COMPOSITE REGIONAL CENTRE FOR SKILL DEVELOPMENT, REHABILITATION &
EMPOWERMENT OF PERSONS WITH DISABILITIES
[CRC – KOZHIKODE]
(UNDER THE ADMINISTRATIVE CONTROL OF NIEPMD, CHENNAI)
DEPARTMENT OF EMPOWERMENT OF PERSONS WITH DISABILITIES (DIVYANGJAN)
MINISTRY OF SOCIAL JUSTICE & EMPOWERMENT, GOVERNMENT OF INDIA
IMHANS CAMPUS, MEDICAL COLLEGE PO KOZHIKODE KERALA 673008

Department of Speech & Hearing CRC Kozhikode

श्रावण जाच में दो प्रकार की होती है

Objective test (ऑब्जेक्टिव जाच): जिश्मे बच्चे की सुनने की क्षमता आधुनिक जाच बेरा BERA, OAE , impedance audiometry इमपेडेंस ऑडियोमेट्री का समवोश होता है यह जाच मशीनों द्वरा बच्चे की सुनने की क्षमता का प्रमाण आपने आप ही कर लेती है . इसमें बच्चे का सहभाग की जरुरत नहीं होती . इन जाच के समय बच्चे का सोया होना या आराम से बैठा होना जरुरी होता है अधिकतर समय ऑडियोलोगिस्ट माता पिता को (pediatrician) पीडिअट्रिशन छोटे बच्चो के डॉक्टर से नीद की दवा कितनी पिलानी है लिखवा कर लाने कहते है

Subjective test (सब्जेक्टिव जांच): इन जाचो में audiologist ऑडियोलोगिस्ट विविवध आवाजो में बच्चे का प्रसाद जाच करते है सब्जेक्टिव जाच हमेशा sound proof room साउंड प्रूफ रूम में होती है सौंद प्रूफ रूम का अर्थ ऐसा कमरा जिश्मे सिर्फ ऑडियोलोगिस्ट द्वरा दी गई आवाज ही हो बहार की कोई भी आवाज इस कमरे में नहीं आती. सब्जेक्टिव टेस्ट में बी.ओ.ए (BOA) , प्ले ऑडियोमेट्री (Play audiometry) , प्योर टोन (Pure Tone) ऑडियोमेट्री का समावेश होता है

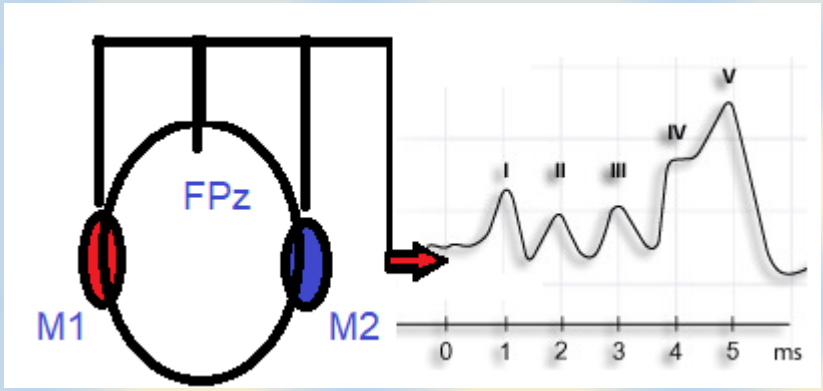

अगर आपका बच्चा में **श्रवण विकलांगता** लक्षण दिखाई दे तो आप तुरंत श्रावण विशेषज्ञ से मिल कर उचित जाच से मन के संकोच को दूर करे.

द्वारा तैयार: श्री शिवराज लालदास भीमटे सहेयक प्रोफेसर भाषण और श्रवण सीआरसी कोझिकोड